सर्वात्मा भगवान शिव का पूजन-वन्दन

सिद्धयोग पथ पर अध्ययन किए जाने वाले शास्त्रों से उद्धरण

आपकी महिमा अपरम्पार है

श्रीशिवमहिम्नः स्तोत्रम्, श्लोक ३२

यदि काले पहाड़ की स्याही बने, समुद्र स्याही का पात्र बने, कल्पवृक्ष की शाखा की लेखनी बने, पृथ्वी लिखने के लिए पृष्ठ बने और यदि इन सब का उपयोग कर देवी शारदा अनन्त काल तक लिखती रहें, तब भी हे भगवन्, आपके गुणों का पार नहीं पाया जा सकता, अर्थात् आपके गुणों की थाह नहीं ली जा सकती।

स्वाध्याय सुधा [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१६] पृ १५९

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।